महाविद्यालय बुलेटिन

बर्फियाँ लाल जुंवाठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला, उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड)

श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड से संबद्ध

अर्द्ध वार्षिक पत्रिका 2022

विषयवस्तु

* महाविद्यालय परिचय
* महाविद्यालय संदृष्टि व लक्ष्य
* प्राचार्य सन्देश
* महाविद्यालय गतिविधियाँ एवं आयोजन
* अन्य उल्लेखनीय गतिविधियाँ
* महाविद्यालय की सत्र 2021 -22 में उपलब्धियाँ
* महाविद्यालय की भावी योजनाएं व नीतियाँ
* समाचार खंड

प्रकाशक- प्राचार्य, बर्फ़िया लाल जुवांठा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला, उत्तरकाशी

Contact Us @

+91-8171045315

gdcpurola@gmail.com

www.instagram.com/gdc_purola

www.facebook.com/gpgcpurola/

www.youtube.com/channel/UCS3AZryIk6P

Visit our website @ www.gpgcpurola.ac.in

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास एवं परिचय

जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड पुरोला में कमलगंगा व् मालगंगा के मध्य अवस्थित ब० ला० जु० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पुरोला की स्थापना शासन के राजाज्ञा सं० 5185/28-02-1993-5/60/91 टी० सी० दिनांक 16 अक्टूबर 1993 को राजकीय महाविद्यालय पुरोला के रूप में विज्ञान संकाय के साथ प्राचार्य ,05 प्राध्यापकों व 04 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के पदों के साथ की गयी। महाविद्यालय की जिला मुख्यालय से दूरी 125 कि०मी0 पुरोला विकास खण्ड से दूरी 01 कि०मी0, तहसील पुरोला से 05 कि०मी0 तथा रेलवे स्टेशन देहरादून से 150 कि०मी० है। यह महाविद्यालय विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, जंतु विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान की कक्षाओं के साथ प्रारम्भ हुआ ।

वर्ष 2010 में हिंदी अंग्रेजी समाजशास्त्र अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र इतिहास एवं राजनीति विज्ञान प्राध्यापक के पद के साथ कल संकाय की स्नातक स्टार की कक्षाएं संचालित हुई। व वर्ष 2019 में रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान के एक-एक पद के साथ स्नातकोत्तर की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हुआ। इसी क्रम में वर्ष 2021 में स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिंदी एवं अंग्रेजी विषय के दो-दो पद स्वीकृत हुए।र्तमान में महाविद्यालय में प्राचार्य प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कुल 05 पद सृजित हैं। अपनी स्थापना के वर्ष से ही महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है।वर्ष २०२२ में पांच नए विषयों भूगोल संस्कृत गृह विज्ञान संगीत चित्रकला के सृजन तथा कला संकाय भवन , पुस्तकालय एवं ऑडिटोरियम हॉल का प्रस्ताव महाविद्यालय द्वारा शासन को भेजा गया है।

महाविद्यालय का विजन और मिशन

संदृष्टि (Vision)

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति के अनुरूप छात्र-छात्राओं के बीच उत्कृष्ट शिक्षा, मूल्य प्रणाली, रचनात्मकता तथा वैश्विक क्षमता की खोज के साथ उनके सर्वांगीण विकास का समाज कल्याण के निमित संधान करना ।

लक्ष्य (Mission)

- छात्रों को अधिक रचनात्मक, अभिनव, प्रयोगशील व प्रगतिशील बनाने के लिए मदद करना जिसमे वे उत्कृष्ट बन सके।
- ICT , EDU -सात और MOOCS जैसे आधुनिक माध्यमों को शिक्षण में शामिल करना जिससे महाविद्यालय के भौतिक और शैक्षणिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधनों को सुदृढ़ किया जा सके।
- मूलपुरक, गुणवत्तापरक, शिक्षा द्वारा छात्रों के समग्र विकास की सुविधा उपलब्ध कराना।
- दक्षता और क्षमताओं को विकसित करने में छात्रों की सहायता करना जिससे गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जा सके और छात्रों में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की शक्ति, नेतृत्व गुणों को प्रोत्साहित किया जा सके जिसमे चरित्रवान नागरिक बनकर समग्र राष्ट्र का उन्नयन हो सके।
- पुरोला शहर व ग्रामीण अंचलो में सामाजिक व आर्थिक रूप से कमज़ोर विद्यार्थियों के नामांकन दर में वृद्धि हेतु प्रयास करना जिससे वे अपना शैक्षिक उन्नयन कर सके।
- छात्रों में सकारात्मकता विचारधारा को विकसित करना जिससे समग्र समाज का उन्नयन हो सके।
- गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना जिससे विद्यार्थियों की योग्यताओं में विकास हो उनमें आत्मचिंतन, आत्मनिष्ठा, सदभाव, आत्मविश्वास, निर्णय लेने तथा कुशल नेतृत्व प्रदान करने जैसी योग्यताएं विकसित हों।
- उच्च शिक्षा को प्रासंगिक बनाते हुए समाज, राष्ट्र के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा तकनीकी विकास में उसकी भूमिका सुनिश्चित करना।
- रोज़गारपरक शैक्षिक कार्यक्रम प्रारम्भ करना जिससे छात्र/छात्राएँ स्वरोज़गार अपनाकर आत्मनिर्भर बन सके।
- शिक्षा में गुणात्मकता की दृष्टि से शोध संबधी मापदंडो व विचारधारा को छात्र-छात्राओं के मध्य विकसित करना एवं इस विचारधारा को सुगम बनाना।
- देश के सर्वोच्च सेवाओं हेतु विद्यार्थियों को मानसिक व शैक्षिक रूप से तैयार करना।

महाविद्यालय की इस आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से महाविद्यालय की समग्र परिदृष्य प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यन्त प्रसन्नता है। इस अवसर पर आप सभी हितधारकों का स्वागत करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है यह संस्थान सीमान्त जनपद उत्तरकाशी के यमुना घाटी के सम्पूर्ण रवांई क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण उच्च शिक्षा का केन्द्र है। तथा इस क्षेत्र के युवाओं की गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु एक सर्व सुविधा सम्पन्न सम्पूर्ण उच्च शिक्षा केन्द्र के रूप में स्थापित होने की अपनी विकास यात्रा पर निरन्तर अग्रसर है।

महाविद्यालय में वर्तमान में कला संकाय समेत स्नातक स्तर पर बी0ए0(07) स्नात्कोत्तर स्तर एम0ए0 (हिन्दी एवं अंग्रेज़ी) तथा विज्ञान संकाय सहित स्नात्कोत्तर स्तर पर एम0एस0सी0 (रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान विषयो में) संचालित है। छात्रा–छात्राओं के सर्वागींण विकास हेतु एन0एस0एस0, रोवर्स/रेंजर्स इकाई, कीड़ा, पत्रिका, सांस्कृतिक क्लब, विभागीय परिषदें, छात्रसंघ गठन इत्यादि सुविधायें संचालित है इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों की सुविधा हेतु सेवायोजन एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ट **PTA**, पूर्व छात्र परिषद (**Alumni Association**), महिला प्रकोष्ट, एण्टी रैगिंग, पर्यावरण क्लब इत्यादि का गठन किया गया है। महाविद्यालय में नियमित प्रवेश सीटों की सीमित्ता के कारण प्रवेश से वंचित युवाओं की सुविधा हेतु उत्तराखण्ड मुक्ता विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है। जिसमें वर्तमान में 1068 छात्र–छात्राऐं उच्च शिक्षा का लाभ ले पा रहे हैं। महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की संख्या 650 है। हमारे विद्वान एवं कर्मठ प्राध्यापक नियमित शिक्षण कार्य के साथ–साथ छात्रों के सर्वागींण विकास हेतु विभिन्न शिक्षेण्त्तर गतिविधियों/कियाकलापों के आयोजन में भी पूर्ण वन्मयता से सहयोग करते हैं। शिक्षेणत्तर कर्मी भी संस्था के कार्यो में पूर्ण सहयोग प्रदान करते है। छात्र/छात्राओं को **EDUSAT** के प्रसारित व्याख्यानों एवं अन्य ऑनलाइन शिक्षण श्रोतों का लाभ प्रदान करने हेतु 02 सुविधायुक्त स्मार्ट क्लास कक्षों की स्थापना की गई है। साथ ही **National Digital Literacy Literacy Initiative** प्रकोष्ट की स्थापना की गई है। तथा **NDLI** के ऑनलाइन शिक्षण सामग्री श्रोतों का लाभ छात्रों को मिल सके । प्राध्यापकों एवं छात्र/छात्राओं को **OER** का लाभ प्रदान करने हेतु महाविद्यालय द्वारा मळतंदजींसलं का वार्षिक सदस्यता ली गई है। महाविद्यालय परिसर में रैगिंग गतिविधियॉ पूर्ण प्रतिबंधित है, शिकायत मिलने पर यू0जी0सी0 के निर्देशानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय में अब 2020–21 से एम0एस0सी0 कक्षाओं तथा 2021–22 से एम0ए0 पाठ्यक्रम की कक्षाऐं प्रारंभ हो चुकी हैं। कक्षा कक्षों की कमी को देखते हुए कला संकाय भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव निदेशालय प्रेषित किया गया है। महाविद्यालय में रोज़गारपरक पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु प्रस्ताव स्वीकृति हेतु उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया गया है। साथ ही बी0ए0 पाठ्यक्रम में अतिरिक्त विषयों के संचालन को स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।

एक बार पुनः हम इस महाविद्यालय में प्रवेशित छात्रों का अभिनन्दन करते है एवं सभी अध्ययनरत छात्र/छात्राओं का उनके जीवन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपनी सम्पूर्ण क्षमता एवं प्रतिभा के साथ आगे आने एवं महाविद्यालय में उत्कृष्ट सामाजिक वातावरण बनाये रखने में सहयोग प्रदान करने का आहवान करते है।

डॉ0 ए0के0 तिवारी
प्राचार्य एवं प्रोफेसर

आयोजन व गतिविधियाँ

हरेला पर्व पर कार्यक्रम (16 जुलाई 2022)

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाविद्यालय में हरेला पर्व मनाया गया। हरेला पर्व के अवसर पर महाविद्यालय पुरोला में वन विभाग और समस्त प्राध्यापकों के संयोजन से फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य व वन विभाग की टोंस वन प्रभाग के रेंजर श्रीमती अमिता चौहान थपलियाल तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों के सौजन्य से देवधार, मोर पंखी, बांज, शहतूत, रीठा, विमल, डेक्कन, आंवला आदि वृक्षों का रोपण किया गया।

श्रीदेव सुमन दिवस (25 जुलाई 2022)

श्रीदेव सुमन दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राध्यापकों व छात्र-छात्राओं ने आदरणीय श्रीदेव सुमन जी को श्रद्धांजलि दी। श्रीदेव सुमन जीके चित्र का अनावरण करते हुए सभी वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में उम्मीद की कि हम उनके बलिदान को याद कर उनके पद चिन्हों पर चलेंगे।संगोष्ठी के समापन के बाद उनकी याद में सभी ने देवदार, बाज, कीनू आदि के छायादार एवं फलदार पौधे रोपे,फूलवारियों की गुड़ाई की तथा परिसर की सफाई की गई।द्वितीय सत्र में पास के गांव कुरुडा में प्लास्टिक कूड़े से होने वाले प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष हानियों, बीमारियों, एवं पर्यावरण को हो रहे प्रदूषण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में महाविद्यालय के तीन समूहों ने ग्राम कुरुडा के रास्तों व गलियों से प्लास्टिक एकत्र कर रिसाइकल के लिए भेजा।

त्रिफला वाटिका की स्थापना (26 जुलाई 2022)

वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय में त्रिफला वाटिका की स्थापना की गयी। जिसमे आवंला, बहेड़ा, हरड़ का वृक्षारोपण किया गया। इसके अतिरिक्त रुद्राक्ष तथा पीपल के पेड़ भी लगाए गये। यह कार्यक्रम विभागप्रभारी, डॉ0 विशम्बर जोशी तथा डॉ0 विनय प्रकाश नौटियाल की देख-रेख में सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक, एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें। इस वाटिका निर्माण में विशेष सहयोग एम0 एस0 सी0 (रसायन विज्ञान) के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र ने विशेष सहयोग दिया।

आजादी का अमृत महोत्सव (9-15 अगस्त 2022)

महाविद्यालय में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रंखला में सर्वप्रथम 9 अगस्त को 'हर घर तिरंगा के विषय में एक जागरूकता रैली निकाली गयी जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया । जागरूकता रैली महाविद्यालय से कुरड़ा गाँव में गयी व वापस आने पर छात्र छात्रों ने तिरंगे की रक्षा करने की शपथ ली व जिसकी दूसरी कड़ी में "हर घर तिरंगा" हस्ताक्षर अभियान चलाया गया । इसी क्रम में 13 अगस्त को हर घर तिरंगा विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में 18 छात्र-छात्रों ने प्रतिभाग किया। दूसरे सत्र में आजादी के अमृत महोत्सम कार्यक्रम पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा भाषण प्रतियोगिता को संपन्न करवाया गया। प्रतियोगिता में 17 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। दोनो ही प्रतियोगिताओं का परिणाम 15 अगस्त को घोषित किया गया व विजेता छात्र-छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया। स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को छात्र-छात्राओं ने मिलकर आज़ादी के अमृत महोत्सव थीम पर महाविद्यालय में एक रंगोली बनायी गयी एवं हर वर्ष की भांति प्रभात फेरी से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, जिसमे प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा हिस्सा लेते हुए देशभक्ति के नारे लगाए गये। भारत के शहीद दिव्य आत्माओं को इस दिन याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गयी व छात्र- छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा इस महान पर्व को हर्ष व उल्लास के साथ मनाया । आज़ादी के अमृत महोत्सव के सफल आयोजन में सभी प्राध्यापको एवं कार्यालय कर्मियों ने प्रशंसनीय सहयोग प्रदान किया। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए० के० तिवारी ने इस उपलक्ष पर अपने विचार रखें और आज़ादी के अमृत महोत्सव पर सभी को बधाइयाँ दीं ।

हिंदी दिवस (14 सितंबर 2022)

देश में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को समझना व बढ़ावा देना है । इसी क्रम में महाविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष पर विभागप्रभारी डॉ० यमुना प्रसाद रतूड़ी व हिन्दी विभाग के अन्य प्राध्यापकों द्वारा एक संघोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदीं की दशा और दिशा" रहा। जिसमे प्राध्यापकों और छात्र-छात्रों द्वारा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदीं की दशा और दिशा को लेकर चर्चा -परिचर्चा की गयी । परिचर्चा में राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्तिथि हिंदी के अंतर्गत विद्यावर्ती सन्दर्भ में हिंदी के विविध अनुप्रयोगों के साथ- साथ वर्तमान में हिंदी के प्रयोजन मूलक सन्दर्भों पर गहनता से विचार-विमर्श किया गया ।

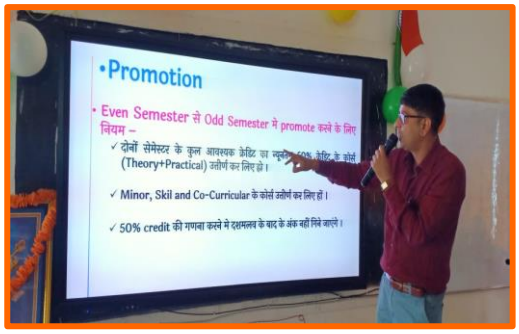

अभिविन्यास तथा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 व्याख्यान कार्यक्रम (15 सितम्बर 2022)

स्नातक के नव प्रवेशार्थियों के स्वागत हेतु महाविद्यालय पुरोला में 'अभिविन्यास तथा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022' पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ए0 के0 तिवारी के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में डॉ0 गणेश प्रसाद के संयोजन, डॉ यमुना प्रसाद रतूड़ी तथा राजेंद्र लाल आर्य के संचालन में नव प्रवेशार्थियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। महाविद्यालय की परंपरा, स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा के बदलाव, पढ़ने तथा पढ़ाने के तरीकों पर वक्ताओं के द्वारा प्रकाश डाला गया। नव प्रवेशार्थियों में कु0 प्रीति (बी0 एस0 सी0 प्रथम सेमेस्टर) तथा नीरज पंवार (बी0 ए0 प्रथम सेमेस्टर) ने समस्त प्रवेशार्थियों के प्रतिनिधि के तौर पर "महाविद्यालय से हमारी अपेक्षा" विषय पर बोलते हुए समस्त प्रकार की प्रतिभाओं के लिए अवसर उपलब्ध करवाने की बात की । नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विषय चुनाव, मूल्यांकन तथा अंक सुधार परीक्षा की गहन जानकारी डॉ0 गणेश प्रसाद, डॉ0 यमुना प्रसाद रतूड़ी, श्री दीपक सिंह, फातिमा खान, डॉ विशम्बर जोशी, डॉ तबस्सुम जहां तथा श्री कृष्णदेव रतूड़ी ने अपने व्याख्यान रखे। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने अपना परिचय देते हुए अपने प्रभारों के विषय में जानकारी दी। मुख्य वक्ताओं में श्री विनोद कुमार, गौहर फातिमा, डॉ0 प्रियंका नेगी, श्री नरेश शाह, श्री शीशपाल सिंह, श्री राजीव नौटियाल, डॉ0 विनय प्रकाश नौटियाल, श्री प्रताप सिंह ने अपने विचार परिचय सहित रखे। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ए0 के0 तिवारी ने अपने संबोधन में नव प्रवेशार्थियों को बधाई दी तथा उम्मीद की कि वे महाविद्यालय की गरिमा के अनुकूल अपनी उच्च शिक्षा को अवश्य पूरा करेंगे तथा विश्वास दिलाया कि उन्हें हर प्रकार से यथा संभव सहयोग किया जाएगा।

मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता ऑनलाइन कार्यशाला (20 सितम्बर 2022)

महाविद्यालय में अध्यन्नरत्त छात्राओं को मासिक धर्म से जुड़ी जानकरी देने के लिए व इस महत्वपूर्ण विषय के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 'मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता' (Menstrual Health and Hygiene) के प्रति किशोरियों में जागरूकता के उद्देश्य से ग्लोबल हंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में महाविद्यालय की सभी छात्राओं ने प्रतिभाग किया।इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की सभी छात्राओं ने प्रतिभाग किया व इस गंभीर विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की। इस कार्यक्रम का संयोजन फातिमा खान तथा डॉ0 तबस्सुम जहां ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस (24 सितम्बर 2022)

महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया । इस मौके पर स्वयंसेवियों ने प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की व उसके बाद स्वयंसेवियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ0 ए0 के0 तिवारी, कार्यक्रम अधिकारी फातिमा खान और भूपाल सिंह कार्की ने स्वयंसेवियों को समाज में फैली कुरीतियां खत्म करने के लिए लोगों में जागरूकता लाने को प्रोत्साहित किया।

प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम (22 अक्टूबर 2022)

महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने गुरुवार को स्वच्छ भारत अभियान-2 के अंर्तगत प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली निकाली। साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक एकत्रीकरण अभियान चलाकर महाविद्यालय परिसर सहित आस पास के गांवों से 80 किलो प्लास्टिक कूड़ा एकत्रित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ए0के0 तिवारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में छात्र छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अध्ययन के साथ साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों में सक्रिय रहना भी शिक्षा का ही एक अहम हिस्सा है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (11 नवंबर 2022)

महाविद्यालय पुरोला में शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी व शैक्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० ए० के० तिवारी जी के निर्देशन में कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया व विभाग प्रभारी गौहर फातिमा ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, भारत के पहले शिक्षा मंत्री के अद्वितीय योगदान से रूबरू कराया साथ ही उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्र- छात्रों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया। स्मृति, शीतल शाह ने इस मौके पर अपने विचार प्रस्तुत किए कार्यक्रम को आगे ले जाते हुए प्राध्यापिका गौहर फातिमा ने महाविद्यालय में किये गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ0 ए0 के0 तिवारी ने इस दिवस की विशेषताएं बतातें हुए छात्र-छात्रों को बेहतर जीवन के लिए शिक्षा का महत्व समझाया।

राष्ट्रीय संविधान दिवस (26 नवंबर 2022)

26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर विभाग प्रभारी डॉ० विनोद कुमार के द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही संविधान दिवस के विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे छात्र- छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया व केशव, स्मृति और विजय ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए।

रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर (14 दिसंबर 2022)

महाविद्यालय पुरोला में आयोजित रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर में महाविद्यालय प्रशासन व छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर प्रतिभाग कर रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुये उपनिदेशक उच्च शिक्षा डॉ0 आनन्द सिंह उनियाल के द्वारा एक देवदार के पेड़ महाविद्यालय परिसर में लगाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए0के0 तिवारी द्वारा उपनिदेशक डॉ0 उनियाल का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। रक्तदान से पहले आयोजित कार्यक्रम में सिटी ब्लडबैंक देहरादून द्वारा छात्र- छात्राओं को रक्तदान से संबंधित सभी जानकारियां दी गई। रक्तदान शिविर में कुल 40 यूनिट ब्लड समस्त स्टाफ व छात्र-छात्राओं द्वारा दान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्र- छात्राये उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसम्बर 2022)

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस को देशभर में गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरुवार को रामानुजन के जन्मदिवस पर महाविद्यालय में उनके जीवन चरित्र व संघर्षो को याद करते हुए गणित विभाग द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया ।महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर गणित विभाग के विभागप्रभारी श्री दीपक सिह ने छात्र-छात्राओं को रामानुजन के जीवन व महान गणितज्ञ बनने के संघर्ष को विस्तार से बताया । उन्होंने गणित के क्षेत्र में उनके शोध कार्यो, योगदान व उनके द्वारा गणित के सूत्रों पर किये गये अद्वितीय कार्यों को विस्तार पूर्वक समझाया।

दो दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर (29-30 दिसम्बर 2022)

जिला उद्योग केंद्र उत्तरकाशी के सौजन्य से दो दिवसीय उद्यमिता विकास शिविर कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में छात्रों को स्वरोजगार और करियर के विकल्प से रूबरू करवाना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ए0के0 तिवारी ने शिविर में छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी छात्र अपनी रुचि के अनुसार अपना स्वरोजगार शुरू कर सकता है, जिसके लिए इस प्रकार के शिविर बहुत ही सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में आये राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान राकेश पैन्यूली व शैलेश रावत ने छात्रों को स्वरोजगार से संबंधित जानकारियां दी।

अन्य उल्लेखनीय गतिविधियाँ

निपुण रोवर- रेंजर्स परीक्षा (24 -28 सितम्बर 2022) निपुण रोवर -रेंजर्स का प्रादेशिक कैंप भोपालपानी, देहरादून में आयोजित किया गया जिसमे महाविद्यालय के 7 छात्र - छात्राओं व रोवर्स लीडर डॉ. विनोद कुमार द्वारा प्रतिभाग किया गया। सभी छात्र-छात्राओं इस निपुण परीक्षा में सराहनीय कार्य करके सफल घोषित हुए ।

HIV/AIDS क्विज प्रतियोगिता (04 नवंबर 2022) - टी०बी० क्लिनिक सी० एम० ओ० कार्यालय द्वारा आयोजित HIV/ AIDS Quiz प्रतियोगिता में महाविद्यालय की एन०एस० एस० स्वयं सेवियों कंचन एवं अनिशा (बी०एस०सी०प्रथम सेमेस्टर) ने प्रतिभाग किया।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा (04 नवंबर 2022) अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार द्वारा आयोजित संस्कृति ज्ञान परीक्षा में 46 छात्र-छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करने के उपरान्त संस्कृति ज्ञान परीक्षा दी ।

हैंड्स ऑन टैनिंग (एक सप्ताह) ऑन फीलड बेस्ड प्लांट टेक्सोनोमी (28 नवंबर-03 दिसंबर 2022)- उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान केंद्र (यूसर्क) द्वारा आयोजित सात दिवसीय प्लांट टेक्सोनोमी सर्टिफिकेट कार्यक्रम में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने 06 प्रतिभाग किया ।

विकास खण्ड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता (08 नवंबर 2022) में महाविद्यालय के छात्र/ छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा पुरुस्कार प्राप्त किया। 1. स्मृति ने 1500 मीटर दौड़ में, संध्या ने 3000 मीटर दौड़ में प्रथम; 2. संध्या ने 200 मीटर, राखी ने 400 मीटर, निकिता ने 3000 मीटर में द्वितीय 3. राखी ने 100 मीटर मीटर में तृतीय पुरुस्कार प्राप्त किये। 4. कबड्डी में बालिका वर्ग में प्रथम, वॉलीबॉल में द्वितीय पुरुस्कार; बालक वर्ग में वॉलीबॉल में द्वितीय पुरुस्कार प्राप्त किया।

ऑन टिश्यू कल्चर तकनीक (26 दिसंबर 2022-15 जनवरी 2023)- महाविद्यालय के बी0एस0सी0 व एम0एस0सी0 के 15 छात्रों ने नौगांव हार्क संस्था में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस दौरान छात्रों ने बागवानी व कृषि के क्षेत्र में रोजगारपरक तकनीकों की बारीकियां सीखी।

दो दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय क्रीड़ा (खेलकूद) प्रतिस्पर्धा (24-25 अप्रैल 2022)

महाविद्यालय द्वारा दो दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय क्रीड़ा (खेलकूद) प्रतिस्पर्धा का आयोजन राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेज पुरोला के खेल के मैदान में किया गयाए। जिसमे प्रथम दिवस के कार्यक्रमानुसार दौड़ 100,200,400 व 800 मीटर, कबड्डी, गोला फ़ेंक, चक्का फेंक, ऊँची कूद तथा लम्बी कूद प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस कार्यक्रमानुसार 1500, 3000 मीटर दौड़, वॉलीबॉल, खो-खो, भाला फेंक, प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन हुआ।

महाविद्यालय की उपलब्धियाँ (2021-22)

- महाविद्यालय का स्नातक से स्नातकोत्तर में उच्चीकरण हुआ है। जिससे अब हिंदी व अंग्रेज़ी विषयों में एम0ए0 व साथ में एम0एस0सी0 की कक्षाएं संचालित हैं।
- महाविद्यालय यू0जी0सी0 में 2 एफ से आच्छांदित है।
- महाविद्यालय में रूसा के द्वारा कंप्यूटर कक्ष तथा बालिका कॉमन कक्ष का निर्माण कर प्रगति पर है।
- महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.gpgcpurola.ac.in को तैयार किया गया।
- रूसा द्वारा महाविद्यालय में सौर ऊर्जा, इन्वर्टर, ऑफिस तथा कक्षाओं हेतु फर्नीचर तथा प्रयोगशाला हेतु उपकरण पुस्तकालय में एम0ए0 एवं एम0एस0सी0 की पुस्तकें, स्मार्ट क्लासरूम क्रीड़ा सामग्री, वाद्ययंत्र, साउंड सिस्टम, सी सी टी वीपंखे, एल ई डी लाइट आदि संसाधनों को जुटाया गया है।
- महाविद्यालय के पुस्तकालय को ई -ग्रंथालय से जोड़ दिया गया है। वर्तमान में पुस्तकालय में कुल 10600 पुस्तकें उपलब्ध हैं।
- महाविद्यालय में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र संचालित है, जिसमे वर्तमान में 1068 से अधिक छात्र- छात्राएँ लाभान्वित हो रहें हैं।

महाविद्यालय की भावी नीतियाँ एवं योजनाएं

- महाविद्यालय में नेक प्रत्यायन (National Assessment and Accreditation) कराना ।
- स्नातक स्तर एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय भवन का निर्माण एवं विज्ञान संकाय के लिए एम एस सी का निर्माण।
- महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकायान्तर्गत बी0कॉम0 के पाठ्यक्रम का संचालन करना।
- महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिताओं हेतु खेल मैदान का निर्माण करवाना।
- महाविद्यालय में विभिन्न व्यावसायिक कोर्स एवं स्नातक स्तर पर भूगोल, संस्कृत, गृह विज्ञान, चित्रकला, संगीत विषयों का सृजन करना।
- महाविद्यालय के द्वारा MOU किये संस्थाओं से छात्रों को अधिक लाभ प्रदान करवाना।
- महाविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं का प्रसार करना।

जीवन परिचय

बर्फिया लाल जुवांठा जी का जन्म 1 जनवरी 1943 को टिहरी रियासत के रवाईं परगने के पट्टी कमल सिराईं के ग्राम कुमोला (वर्तमान में जनपद उत्तरकाषी तहसील पुरोला) में हुआ। आपने अपने राजनैतिक दायित्वों/पदों पर रहते हुए विकास के ऐतिहासिक कार्य किये जिस कारण आपको "विकास पुरूष" की संज्ञा दी जाती है। आपके विकास के महत्वपूर्ण कार्यों में- पुरोला, बड़कोट, विकासनगर (डाकपत्थर) में महाविद्यालयों की स्थापना की जिससे आज लाखों छात्र/छात्राएँ लाभवान्वित हो रहे हैं। उत्तराखण्ड के पर्वतीय अंचल में विद्यालय, अस्पतालो , पुलों तथा सड़कों के बिछे जाल में आपकी ऐतिहासिक भूमिका रही है। 14 माह के मंत्रित्व पद के दौरान किए गये विकास कार्यों की मिसाल आज भी दी जाती है और दी जाती रहेगी। आपकी प्रमुख रचना एवं लेख हैं- "तिलाड़ी रवाईं खण्ड काव्य" "शत्रुघ्न खण्ड काव्य" "आदर्शवाणी" " देशभक्त " "सरकारी युग"।

स्व० बर्फिया लाल जुँवाठा